गोवा के मुक्ति दिवस पर माननीय राज्यपाल श्रीमती (डॉ.) मृदुला सिन्हा का संदेश

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

आज 19 दिसम्बर, गोवा के मुक्ति दिवस के अवसर पर मैं गोवावासियों को सौहार्दपूर्ण शुभकामनाएँ व बधाइयाँ देना चाहती हूँ। गोवा के इतिहास में यह एक ऐसा सुखद अवसर है जो नव हर्षोल्लास, उत्साह व भव्य समारोह का हकदार है।

मेरे कार्यकाल के दौरान यह तीसरा वर्ष है, जब मुझे गोवावासियों को इस सुअवसर पर बधाई देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। १६ दिसम्बर इतिहास में मील का पत्थर कहलाया जाता है, न केवल गोवा के लोगों के लिए, अपितु संपूर्ण भारतवर्ष के लिए, क्योंकि यही वह दिन है जब भारत की भूमि से अंतिम औपनिवेशिक शासन का अंत हुआ था। मैं कृतज्ञता करना चाहूंगी उन उत्साही निःस्वार्थी स्वतंत्रता सेनानियों और रक्षा बलों के जाबाज जवानों का, जिनके अदभुद संघर्ष से ही यह संभव हो पाया। मुझे विश्वास है कि जब–जब किसी की जबान पर उन जाबाज शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों की यशोगाथा आएगी, तब–तब प्रत्येक गोवावासी का हृदय श्रद्धा व प्रेरणा से भर जाएगा। मेरे विचार से यह वार्षिक समारोह ही अपने आप में उस पवित्र स्मृति के लिए एक गौरवशाली श्रद्धांजलि है ।

मित्रों,

हमें भारत में एक लंबे समय तक औपनिवेशिक शासन का सामना करना पड़ा है, परंतु हमने निरंतर संघर्ष व बलिदान से खोई हुई आजादी को पुनः प्राप्त किया। आज इस सुअवसर पर सबसे अधिक प्रशंसनीय और स्मरणीय विषय है कि पिछले साढ़े पाँच दशकों में गोवावासियों ने अपने दृढ संकल्प, अदभुद दृष्टि और श्रम से हर अवसर का उपयोग करके जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति प्राप्त की है। इस राज्य का बहुमुखीय विकास किंवदंती जैसा है। गोवा अपने गौरवशाली विकास के इतिहास में एक नए समृद्ध युग की दहलीज पर है। गोवा को अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। मैं हाल ही में एक रिपोर्ट पढ़कर गौरवांतित महसूस कर रही थी। इंडिया टुडे द्वारा किया गया छोटे राज्यों की स्टेट रैंकिंग में गोवा ने स्वास्थ्य एवं आधारभूत संरचना क्षेत्रों में प्रथम पद हासिल किया है। अर्थव्यवस्था व समावेशी विकास में दूसरा पद हासिल किया है। मैं, मुख्यमंत्री श्री लक्ष्मीकांत पारसेकर के नेतृत्व की सरकार में सहयोगियों व गोवावासियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाइयाँ देना चाहती हूँ। हमें अपने प्रगतिशील प्रयासों की गति को बढाकर और भी अधिक उपलब्धियों के लिए मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

प्रिय गोवावासियों,

आज भारतवर्ष, गतिशील और दूरदर्शी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, विकास क्षेत्र में अद्‌भुद बदलाव का साक्षी है। आर्थिक व शासन क्षेत्र में भी पथ से हटकर सुधार कार्य लागू किये जा रहे हैं। इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर हर राज्य को अपनी जिम्मेदारी समझकर सरकार का सहयोग करना चाहिए। किसी भी राज्य की समृद्धि और विकास निश्चित रूप से राष्ट्र की ही उपलब्धि है। इसलिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए हमें सुधार कार्य को आधुनिक तरीके से अपनाना चाहिए, खासकर उन क्षेत्रों के सुधार जिससे आम लोगों व कमजोर वर्गों के जीवन स्तर में उन्नति ला पाएँ। मेरे विचार से आज का दिन सर्वथा उपयुक्त व उचित है कि हम सब लोग यह शपथ लें कि अपने अतीत की उपलब्धियों को समेकित करके, पुनः एक ठोस एवं स्थायी नींव का निर्माण करें जिससे हमारा राज्य आत्मनिर्भर बनकर अनन्त समृद्धि व विकास का उदाहरण बन सके। वांछित परिणाम प्राप्ति के लिए विकास कार्यों को कार्यान्वित करने की सत्यता व प्रमाणिकता सर्वथा मायने रखती है ।

प्रिय गोवावासियों,

यह बताते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि गोवा राज्य संतोषजनक कानूनी व्यवस्था, शांति और सौहार्द बनाए रखने में सफल रहा है। हालाँकि आपराधिक क्षेत्रों में हमें अवश्य स्थिति में सुधार लाने की आवश्यकता है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को समाज विरोधी तत्वों व कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। मैं सभी लोगों से अपील करना चाहती हूँ कि उन्हें हमेशा सचेत व सतर्क रहकर सरकार को सहयोग देना चाहिए। जिन स्वस्थ परम्पराओं और सामाजिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों के लिए गोवा राज्य विख्यात है, उनका हमें संरक्षण करना चाहिए। हमें अपने समाज में विकृतियों और दोषों को पनपने के अवसर नहीं देने चाहिए।

मित्रों,

आज हमारी चिंता का मुख्य विषय राष्ट्रीय एकता है। यह राष्ट्र अपने सभी जिम्मेदार नागरिकों से यह आशा रखता है कि वे राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए हर पल हर संभव प्रयास करें। हमारी सीमा पर हाल ही में हुए हमले हमारे लिए चरम संकट व चिंता का विषय है। हालाँकि इन दुःखदायी और चिंताजनक घटनाओं के बाद देशभर में एकता व राष्ट्रीय उत्साह का व्यापक प्रदर्शन देखने को मिला है। यह अत्यधिक संतोषजनक बात है कि हमारी सेना और केंद्रीय सरकार ने अदम्य साहस दिखाकर इस स्थिति के लिए स्वयं को सर्वथा समर्पित कर दिया है। हमें अपने मतभेदों को शीघ्र भुलाकर, राष्ट्रवाद, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय अंतरात्मा की आवाज को बुलंद कर, नागरिक उत्साह को जगाना चाहिए ।

इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं अपने सभी नागरिकों को याद दिलाना चाहती हूँ कि जितना महत्व आर्थिक विकास का है, उससे ज्यादा न सही परंतु ठीक उसी के बराबर महत्व जीविका की गुणवत्ता बढ़ाने को भी दिया जाना चाहिए और साथ ही जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक विकास का भी अपना महत्व है। आज भौतिक संपत्ति की समृद्धि होते हुए भी नैतिक क्षेत्र में थोड़ा बहुत गिरावट देखने को मिल रही है। आज समाज में कुछ महत्वपूर्ण मूल्य जैसे प्रेम, ईमानदारी, निष्ठा व नैतिकता जैसे भाव में कमी आ रही है। धन और विलास के साधनों को एकत्रित करने की प्रक्रिया में लोग नैतिक पथों से विलग होते जा रहे हैं। मेरी पीड़ा व चिंता का विषय यह है कि युवा पीढ़ी हमारे पूर्वजों द्वारा दिए गए जीवन मूल्यों के अनमोल पथ से थोड़ा ही सही, हट रही है। आज भी हमारे कई कष्टों का कारण यह है कि हम अपने पूर्वजों द्वारा दिए गए जीवन मूल्यों को सहेज नहीं पा रहे हैं। हमें चाहिए कि हम अपने सकारात्मक जीवन मूल्यों, स्वस्थ परम्पराओं व सांस्कृतिक गुणों को पुनः स्थापित कर समाज में अमन व शांति का नव निर्माण करें। गोवा सदैव से एक आदर्श राज्य रहा है। इसका मुख्य कारण यहाँ के लोगों का आतिथ्य पूर्ण व्यवहार, सांस्कृतिक गुण, शांतिप्रिय प्रकृति, उदारतापूर्ण वृत्ति और अपनी अनूठी कलात्मक शैलियाँ है। इन गौरवशाली परम्पराओं को संरक्षित व समृद्ध बनाकर गोवा की सनातन पहचान बनाए रखने के लिए हमें हमेशा सक्रिय रहना चाहिए ।

गोवा में पर्यटकों के आगमन में वृद्धि देखी जा रही है जो यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों व भूमि की आंतरिक व्यवस्था पर दवाब बना रही है। पर्यटन निस्संदेह ही राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराना अतिआवश्यक है। मैं इस बात से भली भांति अवगत हूँ कि सरकार इस क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए पूर्ण रूप से कार्यरत है। हमें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कहीं पर्यटन क्षेत्र के सशक्तिकरण में हमारा राज्य अपना असली अस्तित्व, अपनी सांस्कृतिक पहचान व नैतिकता से हाथ न धो बैठे ।

स्वच्छ भारत अभियान की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पिछले दो वर्षों में मैंने जितने लोगों से संपर्क किया उन सभी लोगों से मिली उत्साहजनक प्रतिक्रियाएँ पाकर मुझे अत्यधिक खुशी होती है। राज्य सरकार ने भी इस राष्ट्रीय अभियान को कार्यान्वित करने में विशेष कार्य किए हैं। यह हमारे लिए एक गर्व का विषय होगा यदि हमारा राज्य जल्द से जल्द पूर्ण रूप से स्वछता का लक्ष्य प्राप्त कर पाए ।

इस राष्ट्रीय अभियान की सफलता के लिए सभी लोगों के योगदान अति आवश्यक है। हम सभी को अपने राज्य गोवा को स्वच्छ तथा और भी अधिक सुन्दर बनाने के लिए एक स्पष्ट दृष्टि से कार्य करना चाहिए। जिस प्रकार बूँद–बूँद से सागर भरता है उसी प्रकार स्वच्छ भारत अभियान में प्रत्येक नागरिक का योगदान विशेष मायने रखता है। स्वच्छ भारत अभियान में धरती, वन के साथ नदी, सागर और महासागर को भी लक्ष्य बनाना है। ''स्वच्छ गोवा, स्वच्छ महासागर'' भी हमारा लक्ष्य बने।

देवियों और सज्जनों

जैसा कि आप सभी जानते हैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को कैशलेस सोसाइटी बनाने का अभियान चलाया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए गोवा की सरकार पूर्णरूपेण संकल्पित है। देश को भ्रष्टाचार से मुक्त कराने का यह अभियान जनकल्याण को समर्पित है। मैं आप सभी गोवावासियों का आवाहण करना चाहती हूँ कि इस अभियान को सफल बनाने में राज्य सरकार और केन्द्र सरकार को तन–मन से योगदान दें।

इस यादगार अवसर पर मैं एक बार पुनः अपने नागरिकों को हार्दिक बधाइयाँ देना चाहती हूँ। मैं आशा करती हूँ कि यह अवसर राज्य व राष्ट्र में सभी लोगों, खासकर हमारी युवा पीढ़ी में एक नव विश्वास, उत्साह, बुलंद स्फूर्ति और राष्ट्रभक्ति का संचार कर देगा ।

जय गोवा। जय जय भारत।